स्टेजकोच मैरी फील्ड्स

की कहानी

स्टेजकोच मैरी फील्ड्स

की कहानी

रॉबर्ट मिलर

लेखक का नोट

1860 में रेलरोड के विकास और टेलीग्राफ के आविष्कार से पहले, सेंट जोसेफ और मिसौरी के बीच "पोनी एक्सप्रेस" नामक एक प्रयोग किया था. इसमें सैक्रामेंटो, कैलिफोर्निया से तेजी से दौड़ने वाले टट्टुओं द्वारा डाक भेजी जाती थी. फिर कुछ साल बाद "पोनी एक्सप्रेस" बंद हो गई और स्टेजकोच द्वारा डाक, एक शहर से दूसरे शहर तक ले जाई गई. उनमें एक विशेष मार्ग—कैस्केड, मोंटाना से, सेंट पीटर्स मिशन तक, केवल सत्रह मील दूर वाला शायद सबसे प्रसिद्ध मार्ग था. इस मार्ग पर डाक ले जाने वाली पहली अफ्रीकी-अमेरिकी महिला मैरी फील्ड्स थीं. जब उन्हें नौकरी मिली तब वो साठ साल की थीं.
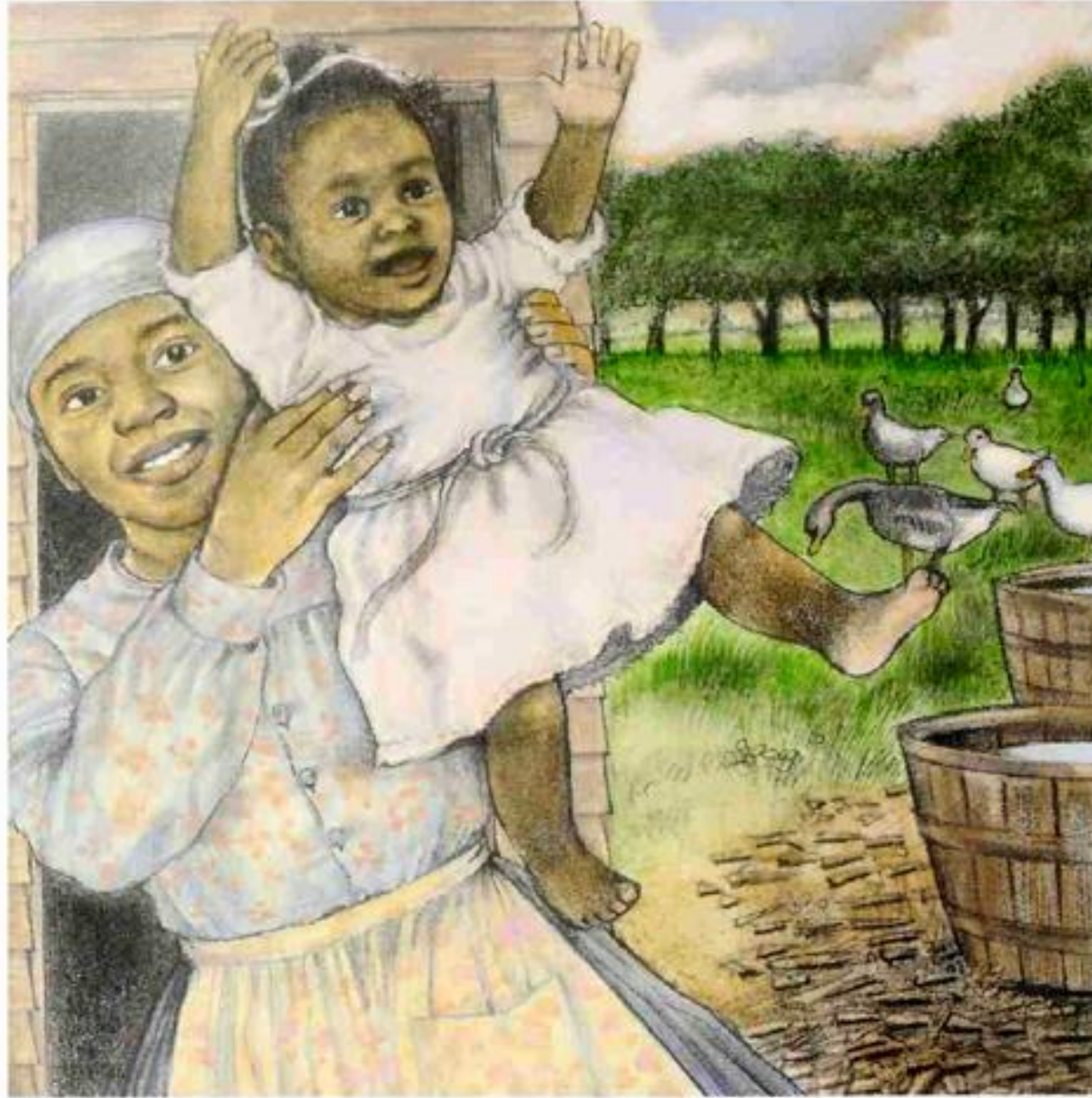
उन दिनों जब पश्चिम का इलाका काफी जंगली था, तब वहां एक महिला रहती थी जो वहां की जमीन जितनी ही मजबूत और दृढ़ इच्छाशक्ति वाली थीं. मैरी फील्ड्स का जन्म 1832 के आसपास हिकमैन काउंटी, टेनेसी में हुआ था. हालाँकि वो एक गुलाम पैदा हुई थीं, मैरी की इच्छा बेहद बुलंद थीं.
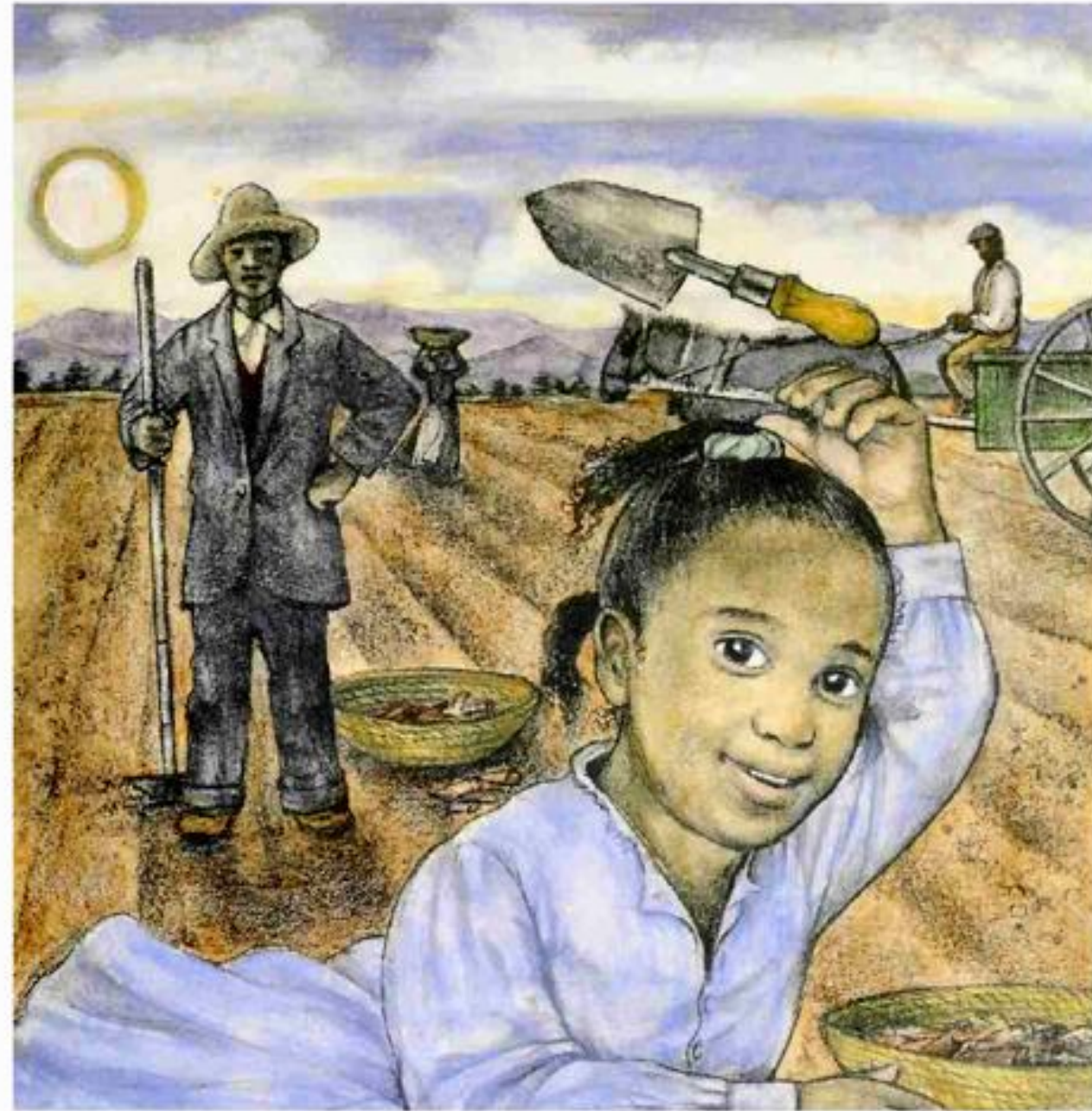
जब वो पांच साल की थीं, तब तक मैरी अपने से दुगनी उम्र के बच्चों को पछाड़ सकती थीं. उनके पिता ने उन्हें फसल बोने के बारे में सिखाने की कोशिश की. लेकिन मैरी अपना काम करते समय कभी-कभी जीवित मेंढक को भी खा जाती थी.

लेकिन घोड़ों की सवारी करना उन्हें बेहद पसंद था! मैरी और उनके मालिक की बेटी, डॉली डन को नदी की ओर रेस लगाना पसंद था. बहुत जल्द, दोनों लड़कियां अच्छी दोस्त बन गईं.
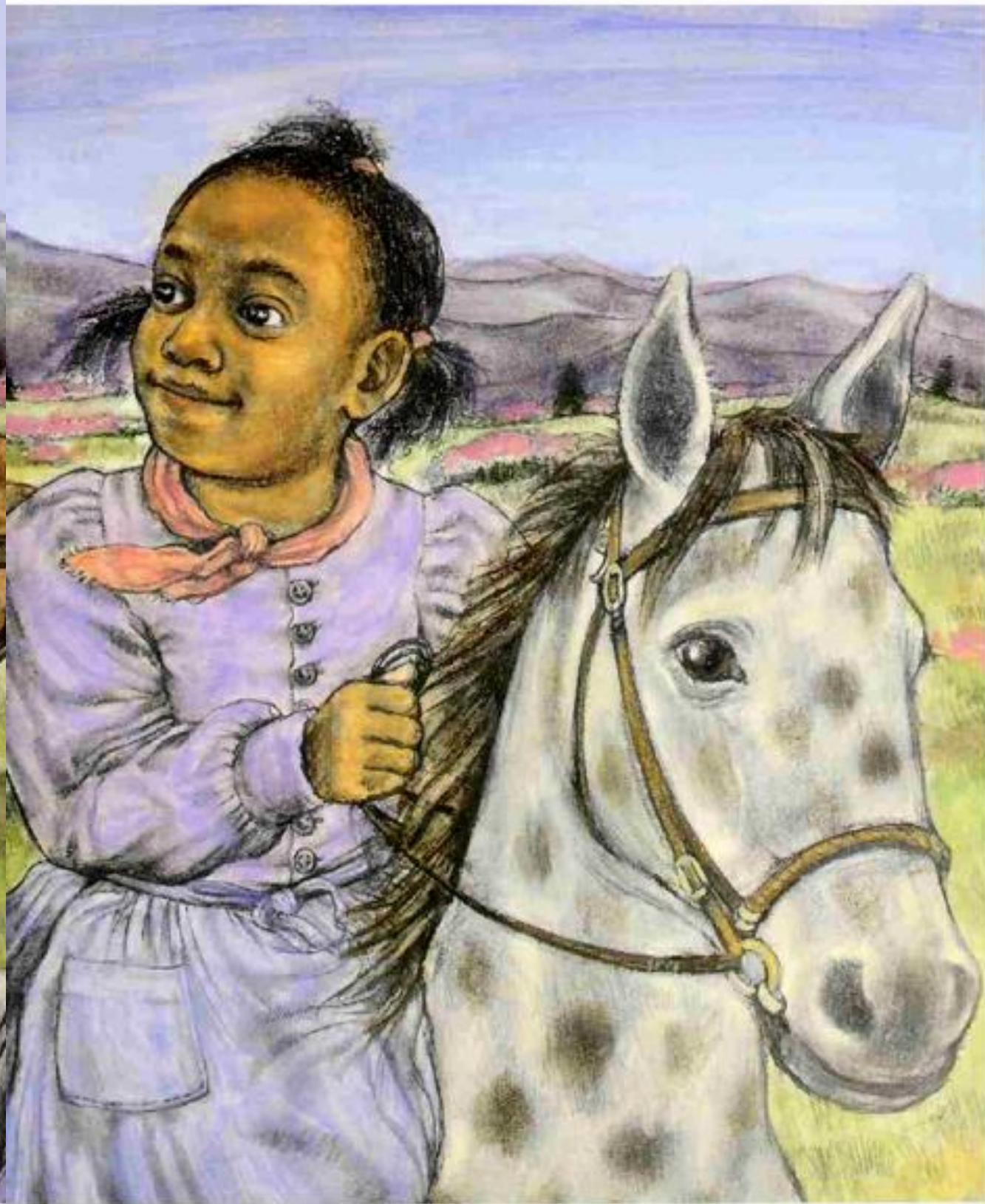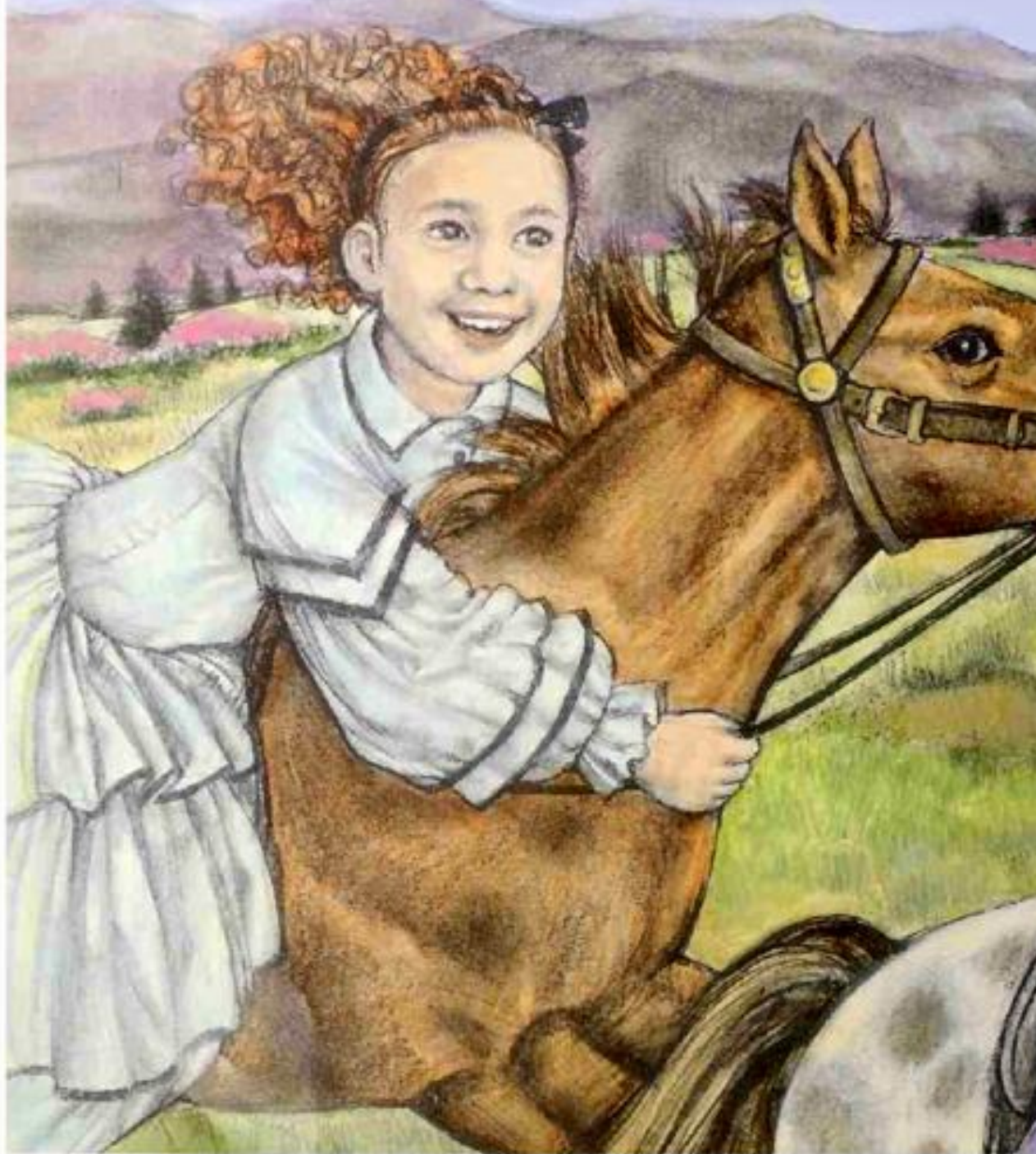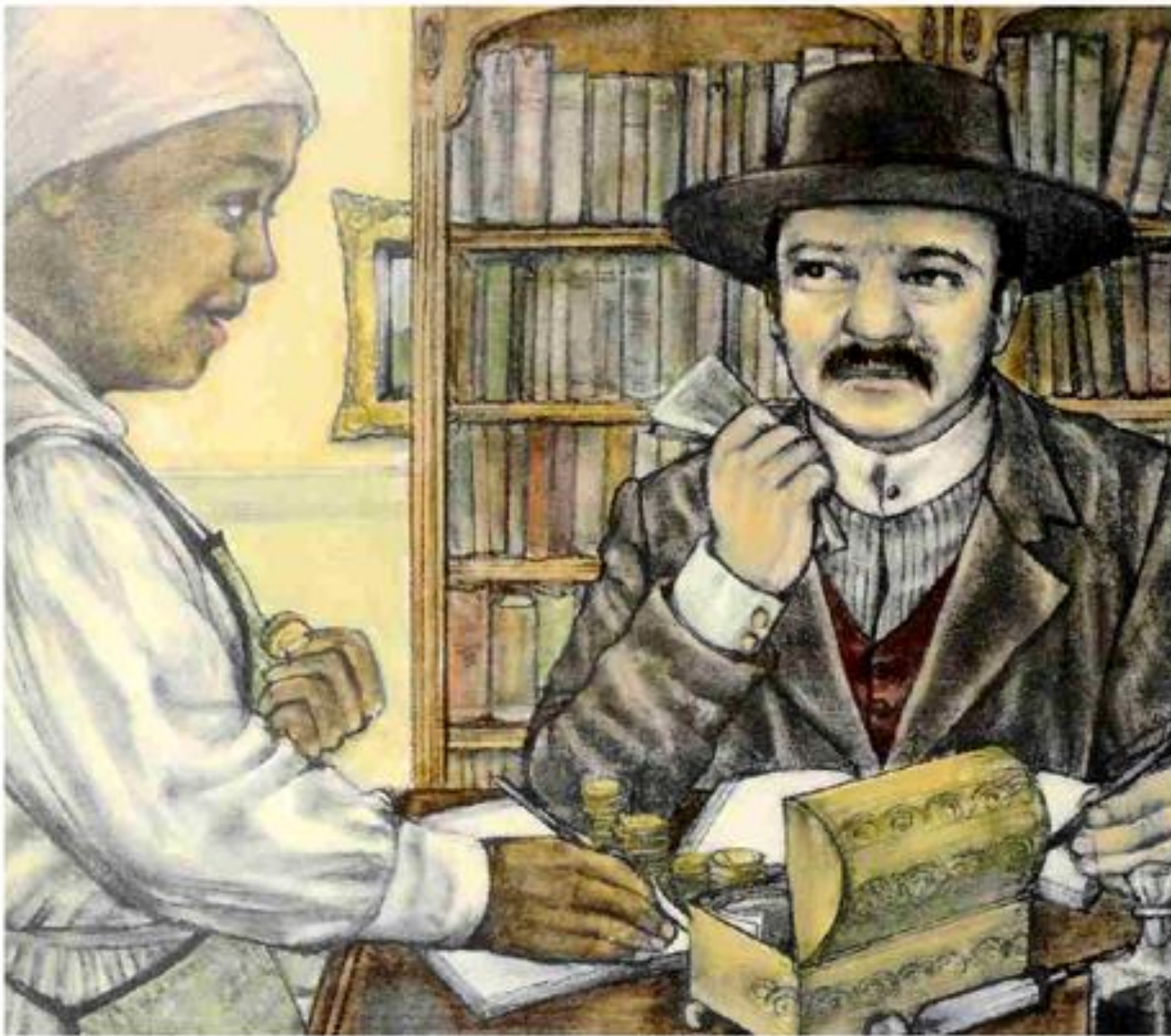
फ़ार्म पर समय जल्दी बीत गया. जल्द ही मालिक की बेटी चली गई और मैरी एक बड़ी, मजबूत महिला बन गईं. उसने पढ़ना-लिखना सीखा. और जब वो बड़ी हुई, तो मैरी ने सिगार पीना शुरू कर दिया!

1865 का गृहयुद्ध समाप्त होने के बाद मैरी फील्ड्स एक स्वतंत्र महिला बन गईं. लेकिन मैरी ने, डन परिवार के लिए अपने पूरे जीवन काम किया था. वे उसे परिवार की तरह ही मानते थे. अब वे मैरी को काम की मजदूरी देकर खुश थे.
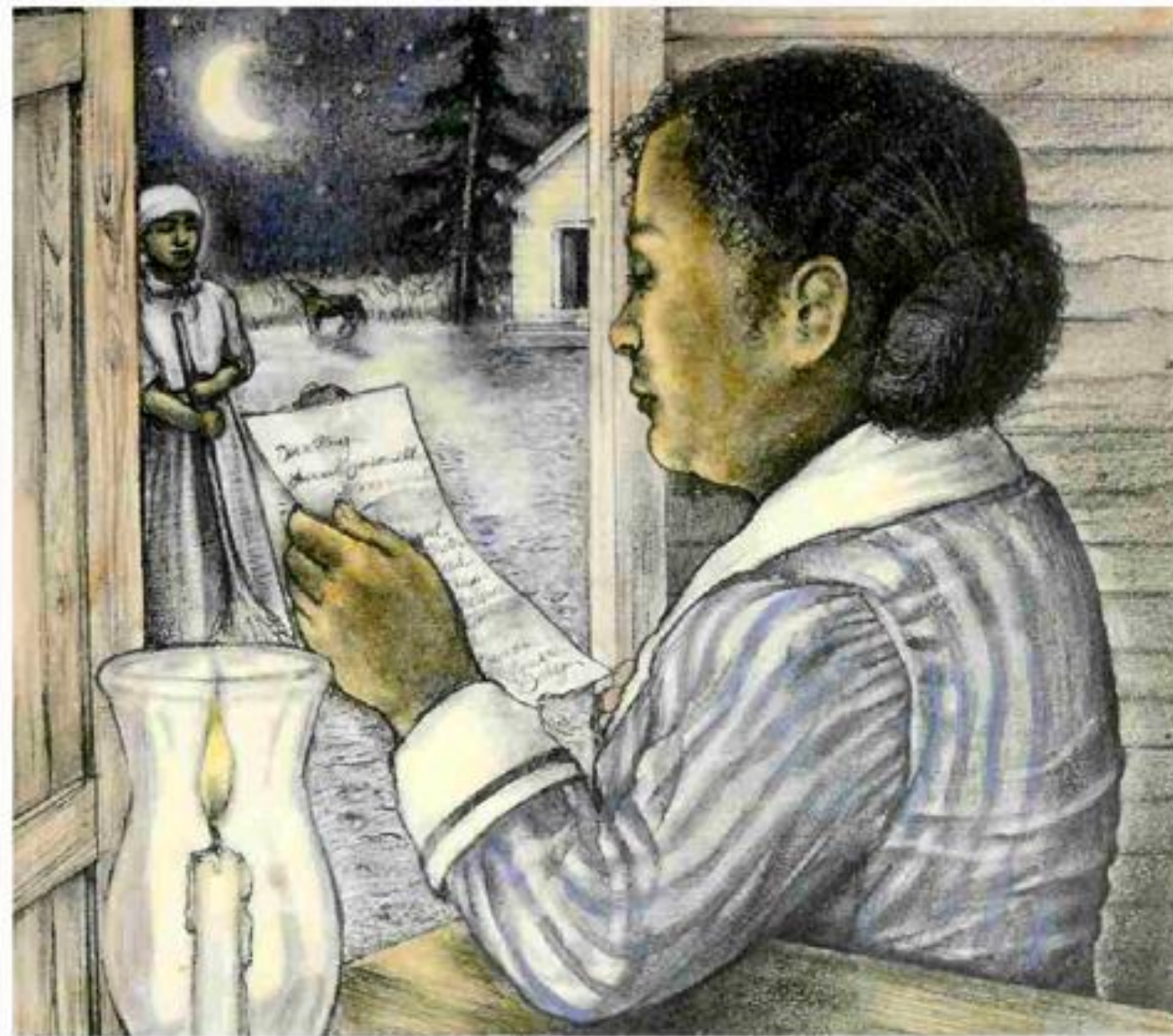
इसलिए मैरी ने वहीं रहने का फैसला किया. लेकिन वो बेचैन रहती थी. वो दिन-ब-दिन इंतजार करती थी और कुछ नया होने की उम्मीद करती थी.

फिर एक दिन मैरी को एक पत्र मिला. उनकी बचपन की दोस्त डॉली, अब एक नन बन गई थी. डॉली चाहती थी कि मैरी उसके साथ कैस्केड, मोंटाना के पास सेंट पीटर्स मिशन में आकर काम करे. फिर मैरी सब कुछ छोड़कर अपनी बचपन की दोस्त से जुड़ने को तैयार हो गई.
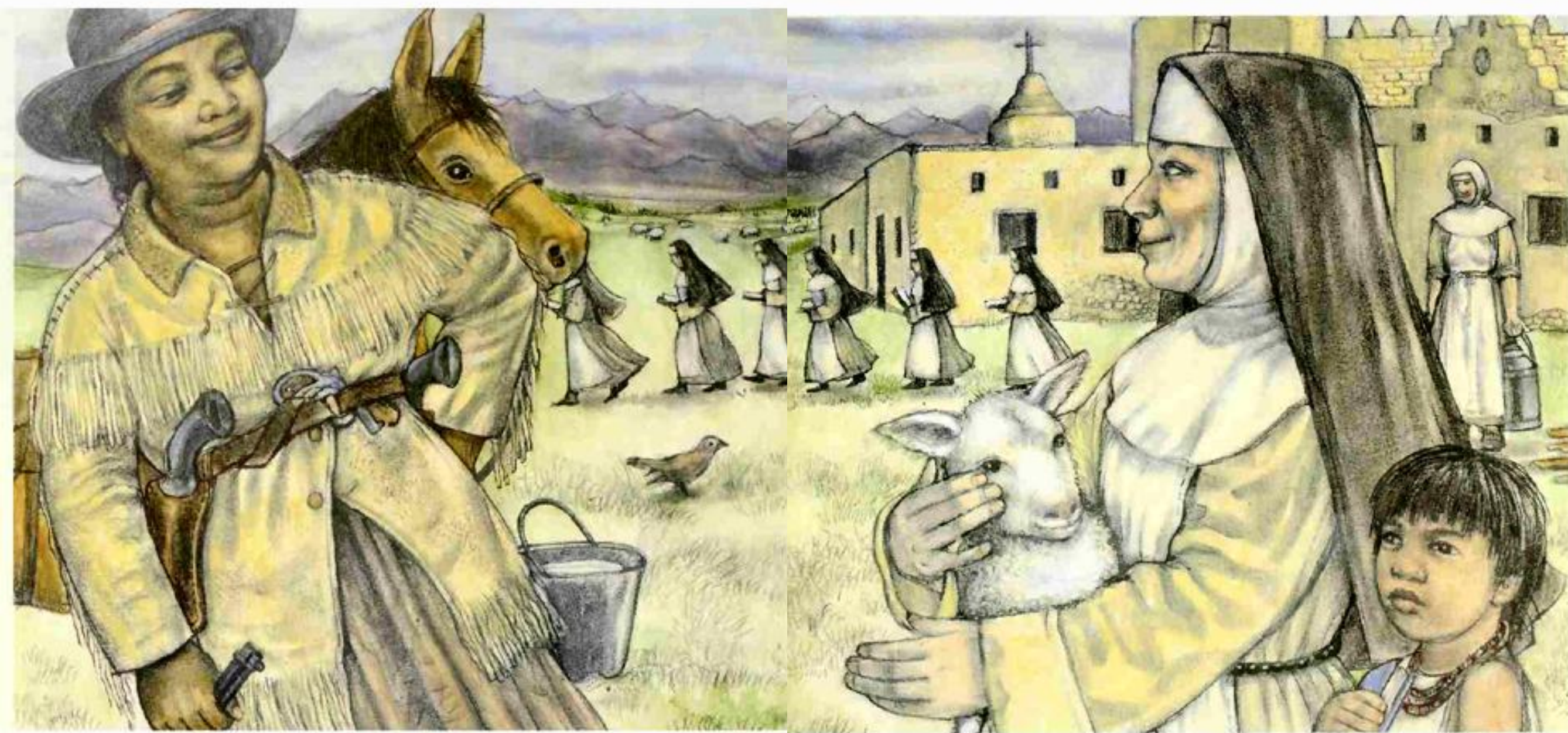
मैरी और डॉली को डन प्लांटेशन (फार्म) के आसपास के जंगली इलाके में भागते हुए काफी समय बीत चुका था. वे अब लड़कियां नहीं थीं, बल्कि महिलाएं थीं. मैरी ऊंची थी. वो पश्चिमी कपड़े पहने हुए थी और उसकी कमर में एक सिक्स-शूटर पिस्तौल बंधी थी. डॉली का नाम अब सिस्टर एमॅड्यूस हो गया था. उन्होंने मैरी का खुले हाथों से स्वागत किया.

सिस्टर एमॅड्यूस ने मैरी को मिशन के आसपास की इमारते दिखाईं, जो पुरानी थीं और जिन्हें मरम्मत की जरूरत थी. मैरी जल्द ही वहां बस गईं. जल्द ही वो काम पर लग गईं. मैरी ने मर्दों की काम में मदद की. उन्होंने भारी पत्थरों को उठाया और मरम्मत में मदद की.

जल्द ही, मैरी मजदूरों की बॉस बन गईं. लेकिन एक आदमी को एक अश्वेत (काली) महिला से आर्डर लेना पसंद नहीं आया.

एक दिन मैरी आदमियों को काम का आदेश दे रही थी. लेकिन एक नए मज़दूर ने उसकी बात पर कोई ध्यान नहीं दिया.

"ठीक है मिस्टर, आगे बढ़ो और काम पर लगो," मैरी ने उससे कहा.

अन्य मर्द हँसे. लेकिन इस नए मज़दूर ने वैसा नहीं किया.

"कोई गुलाम कब से गोरे आदमी का मालिक बन गया है?" उस आदमी ने गुस्से में कहा.

"यहाँ कोई गुलाम नहीं है, मिस्टर. चलो जल्दी से काम पर लगो."

आगे जो हुआ उसने सबको चौंका दिया!

नया मज़दूर मैरी के पास गया. उसने घूमकर मैरी पर वार किया और उसे नीचे गिरा दिया.
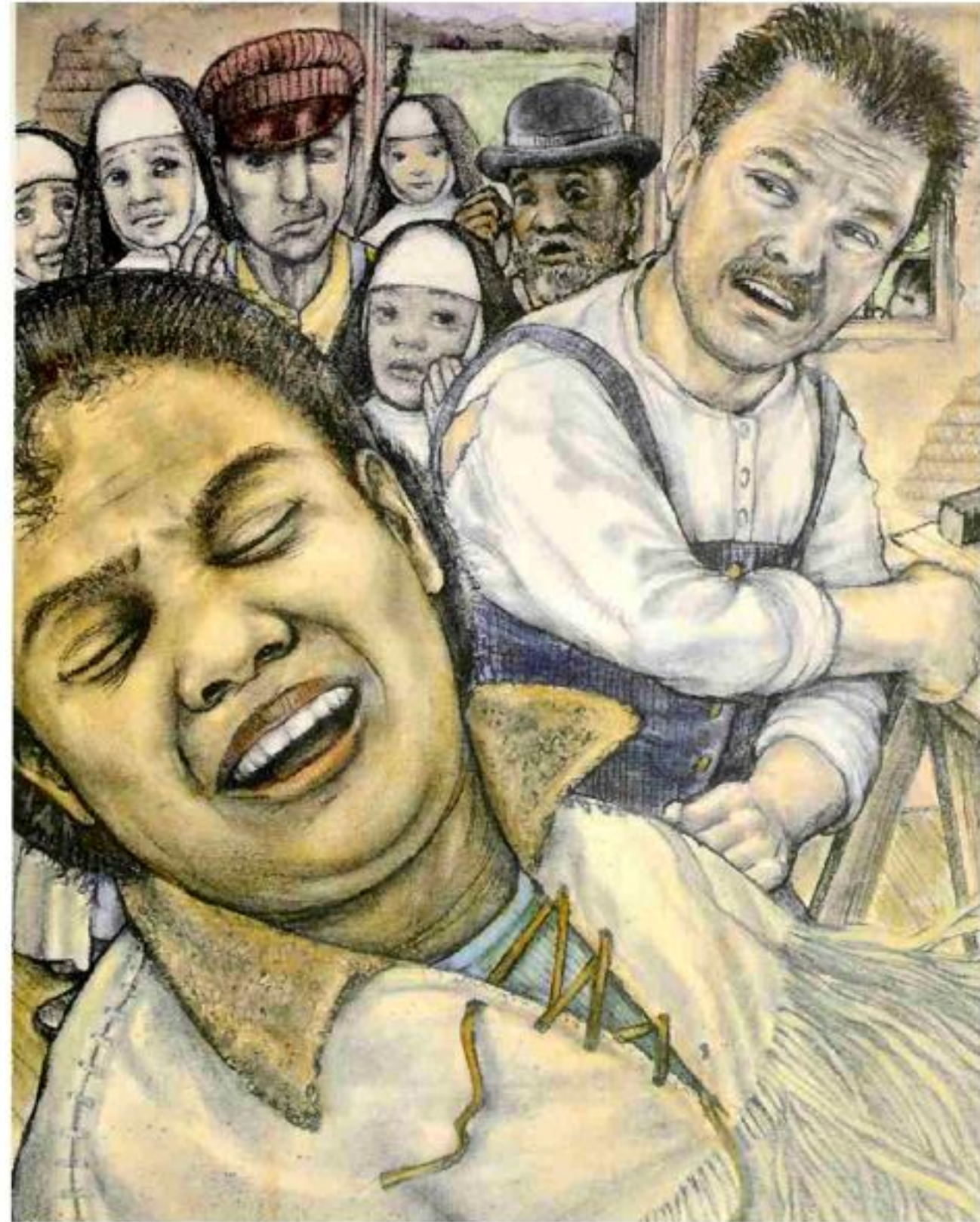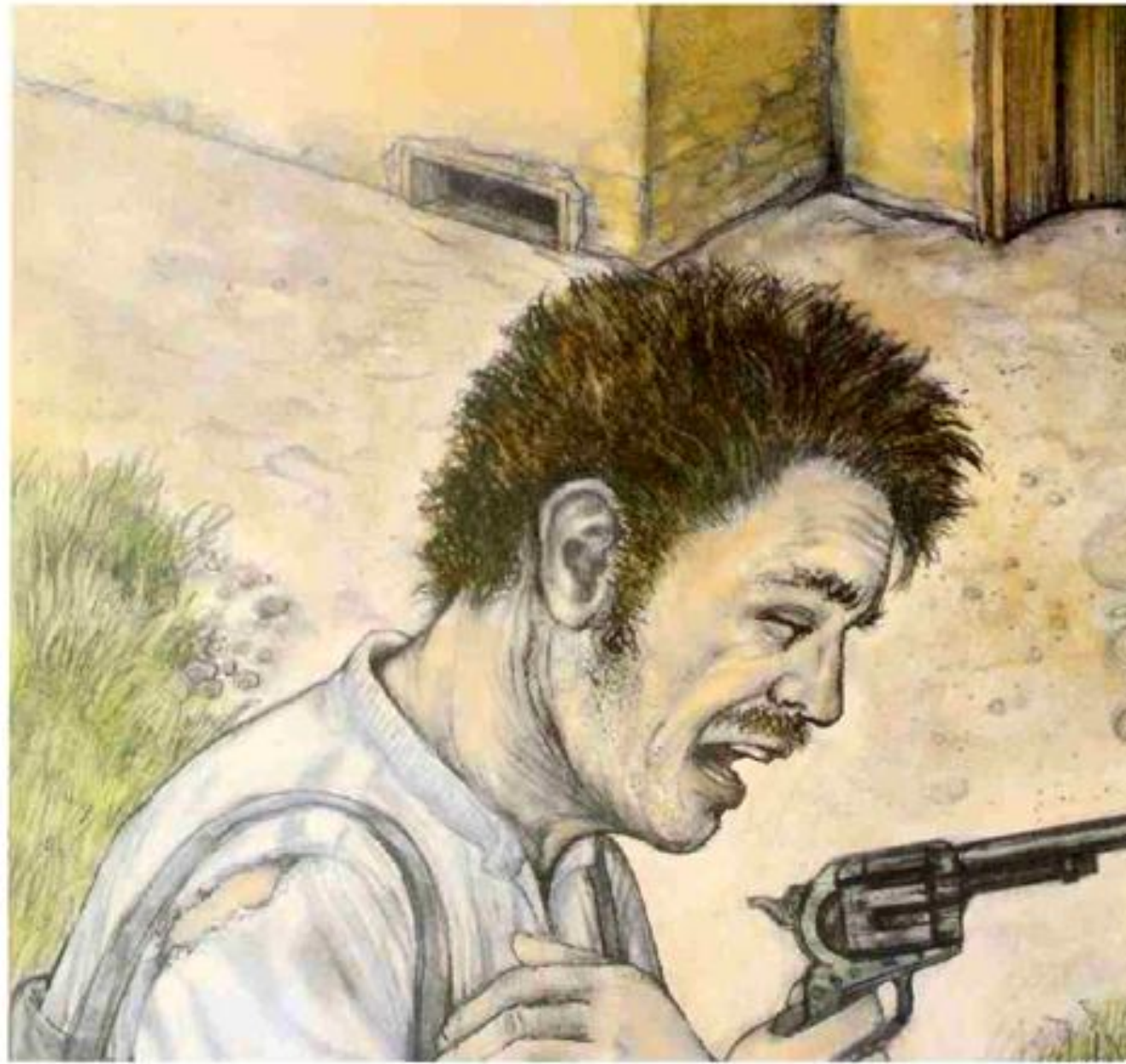
जमीन से टकराते ही मैरी ने अपने पैरों से छलांग लगाई और वो ऊपर उठी. वो बागान (प्लांटेशन) पर पली-बढ़ी थी. उसे बंदूक अच्छी तरह चलाना आती थी. "मिस्टर अपनी बंदूक लेकर आओ, और मुझसे सड़क पर आकर मिलो," मैरी ने उस आदमी को चुनौती दी.

पालक झपकते ही वो आदमी अपनी सिक्स-शूटर पिस्तौल लेकर आया.
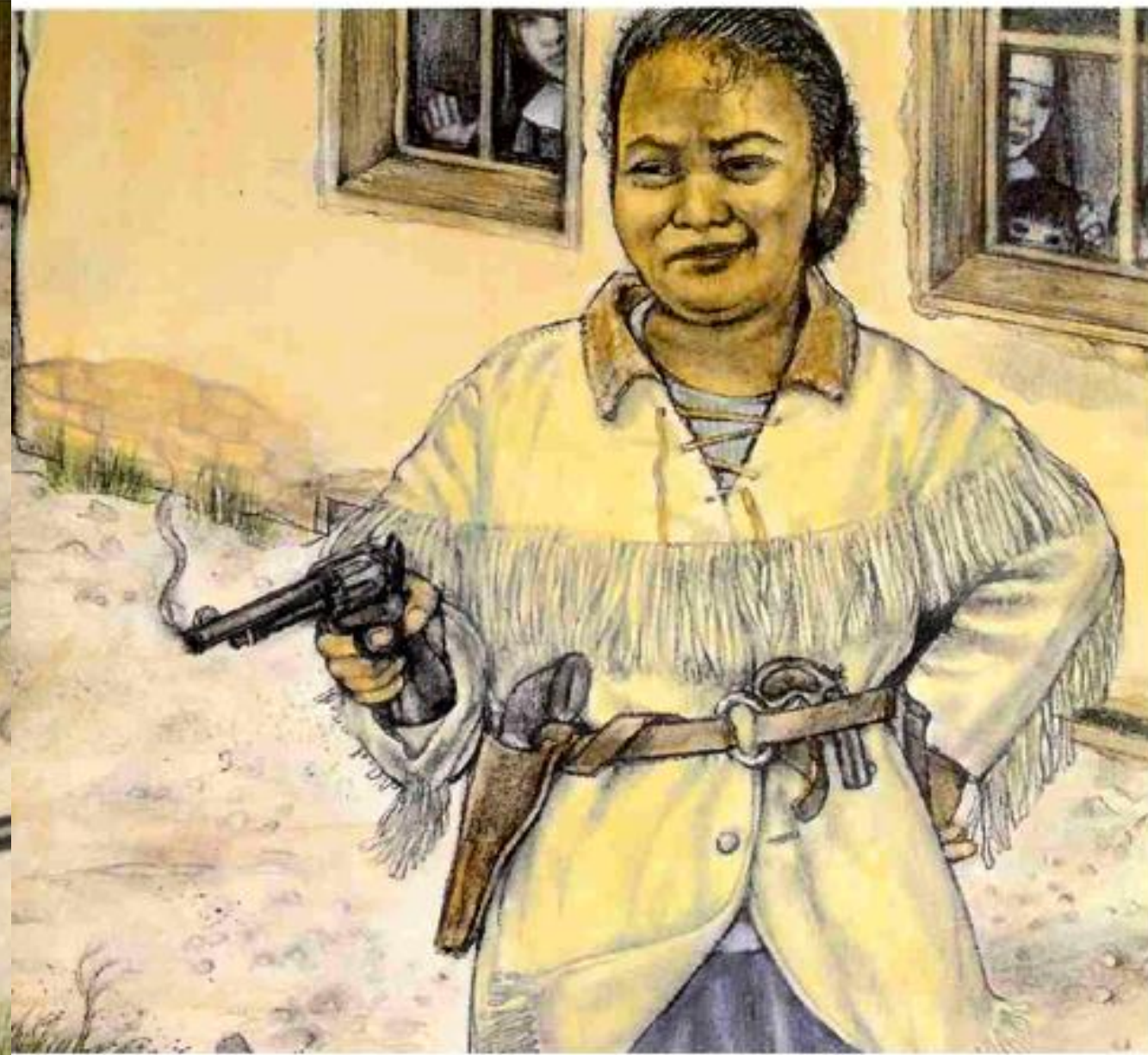
लेकिन मैरी उससे कहीं तेज थी. उसने तीन गोलियां चलाईं, और उस आदमी को हरा दिया.
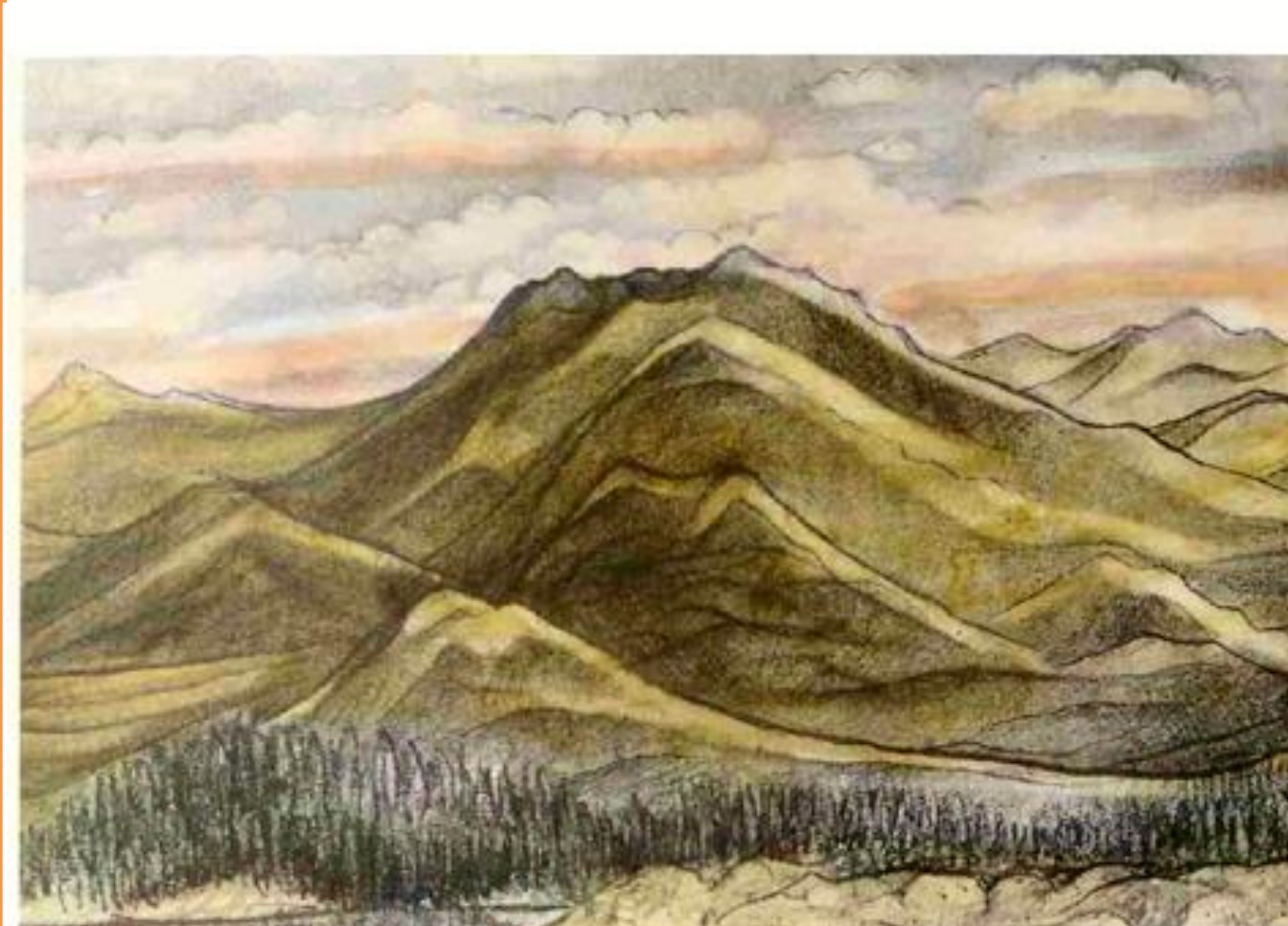
फिर मैरी बाड़े में चली गई और मुर्गियों को चुग्गा खिलाने लगी.

"मैंने एक निष्पक्ष प्रतियोगिता में उसकी पिटाई की," मैरी ने बाकी मज़दूरों की ओर मुड़ते हुए कहा. "कोई भी आदमी मुझे छू नहीं सकता है."

बंदूक की लड़ाई की कहानी जल्द ही पूरे इलाके में फैल गई. वो खबर चर्च के बिशप के पास तक पहुंची. "वह अश्वेत औरत बड़ी उपद्रवी बन गई है," बिशप ने सिस्टर एमॅड्यूस से कहा. "देखो, मैरी को मिशन छोड़ना ही होगा!"

सिस्टर एमॅड्यूस जानती थीं कि वो बिशप का मन नहीं बदल सकती थीं. लेकिन वो अपनी बचपन की दोस्त मैरी को खोना नहीं चाहती थीं. उस रात, उन्होंने सोचा और प्रार्थना की कि मैरी को मिशन में कैसे रखा जाए.
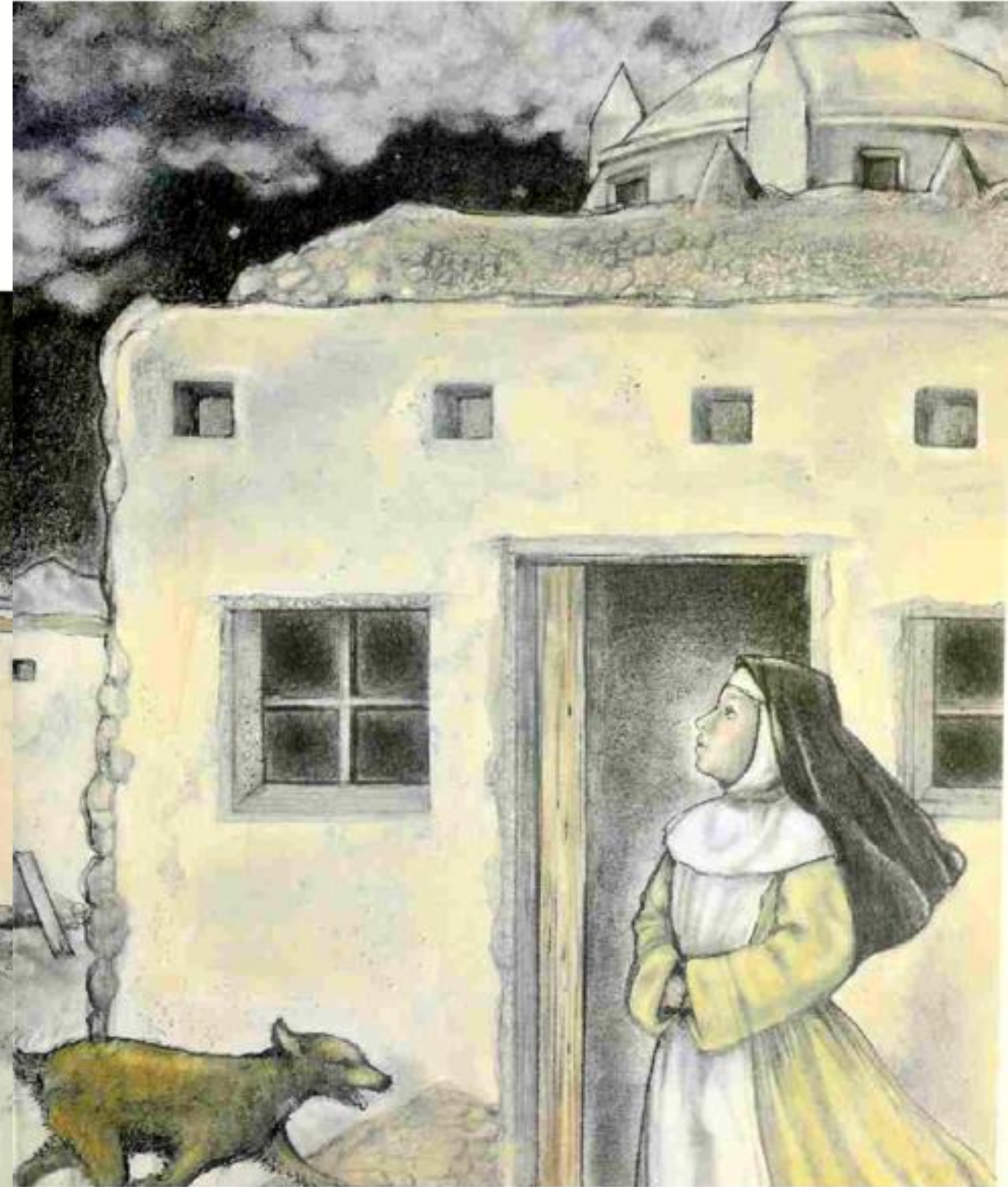
अगली सुबह, सिस्टर एमॅड्यूस को याद आया कि अमरीकी डाक सेवा, कैस्केड, मोंटाना और सेंट पीटर्स मिशन के बीच में एक नया डाक मार्ग खोल रही थी. नया डाक मार्ग बहुत कठिन था. वो टेढ़े-मेढ़े पहाड़ी रास्ते से होकर गुज़रता था और वहां रास्ते में तमाम बदमाश और चोर-उचक्के थे. केवल सबसे मजबूत और सबसे अनुभवी घुड़सवार ही वहां नौकरी के बारे में सोच सकते थे.
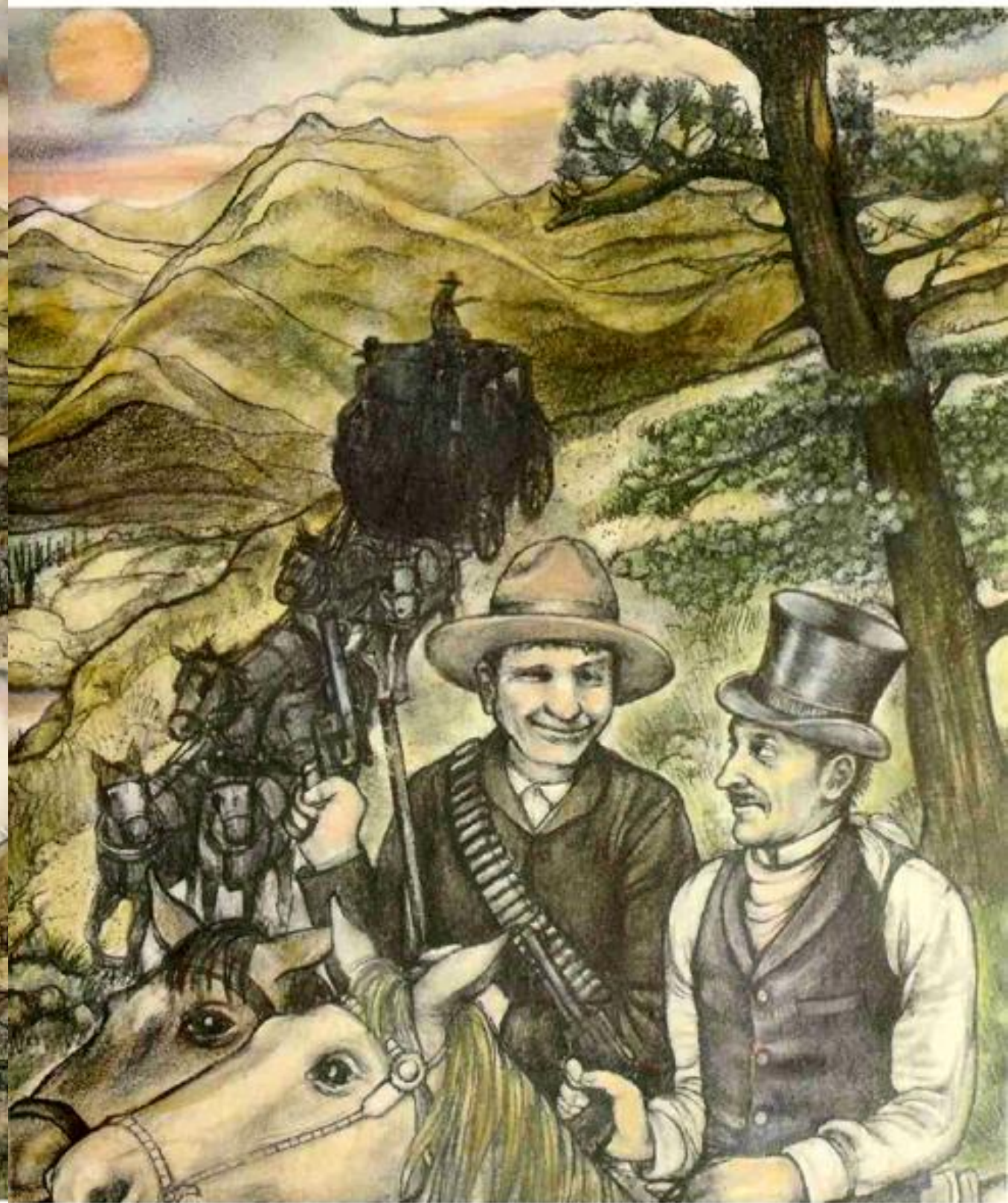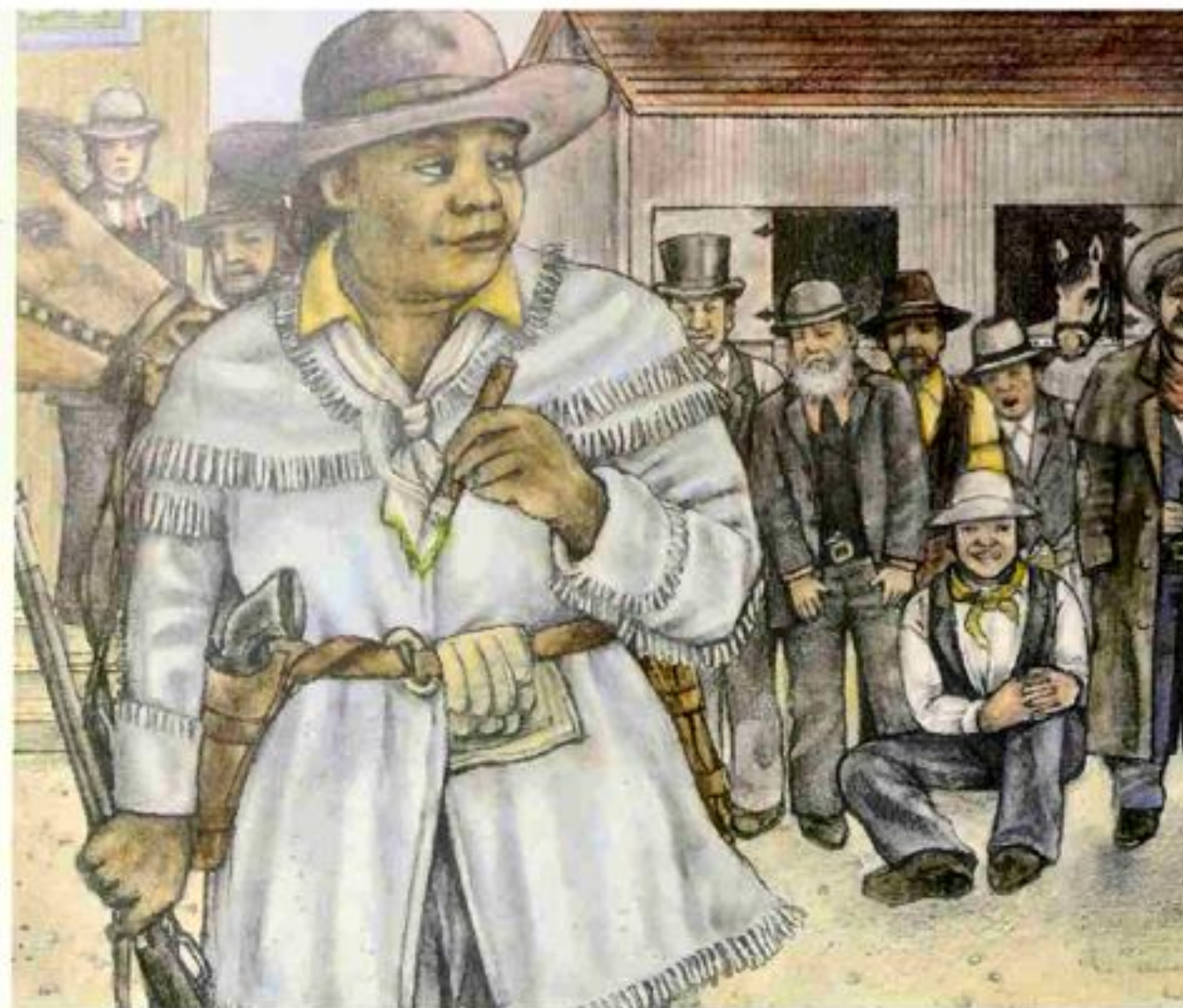
जिस दिन मैरी शहर में सवार होकर पहुंची, उस दिन कम-से-कम चालीस घुड़सवार डिपो के सामने पहले से ही मौजूद थे. मैरी अपने भूरे रंग के घोड़े से छलांग लगाकर उतरी. उसके एक हाथ में राइफल और दांतों के बीच में एक सिगार था. मैरी, डिपो की सीढ़ियों चढ़कर ऊपर गई.

"मैं यहाँ ड्राइवर की नौकरी के लिए आई हूँ," मैरी ने कहा. "कौन है यहाँ का मालिक?"

डिपो में से एक मोटा आदमी बाहर निकला. "मैं ही नई भर्ती का इंचार्ज हूँ," उसने कहा. "आप क्या चाहतीं हैं?"
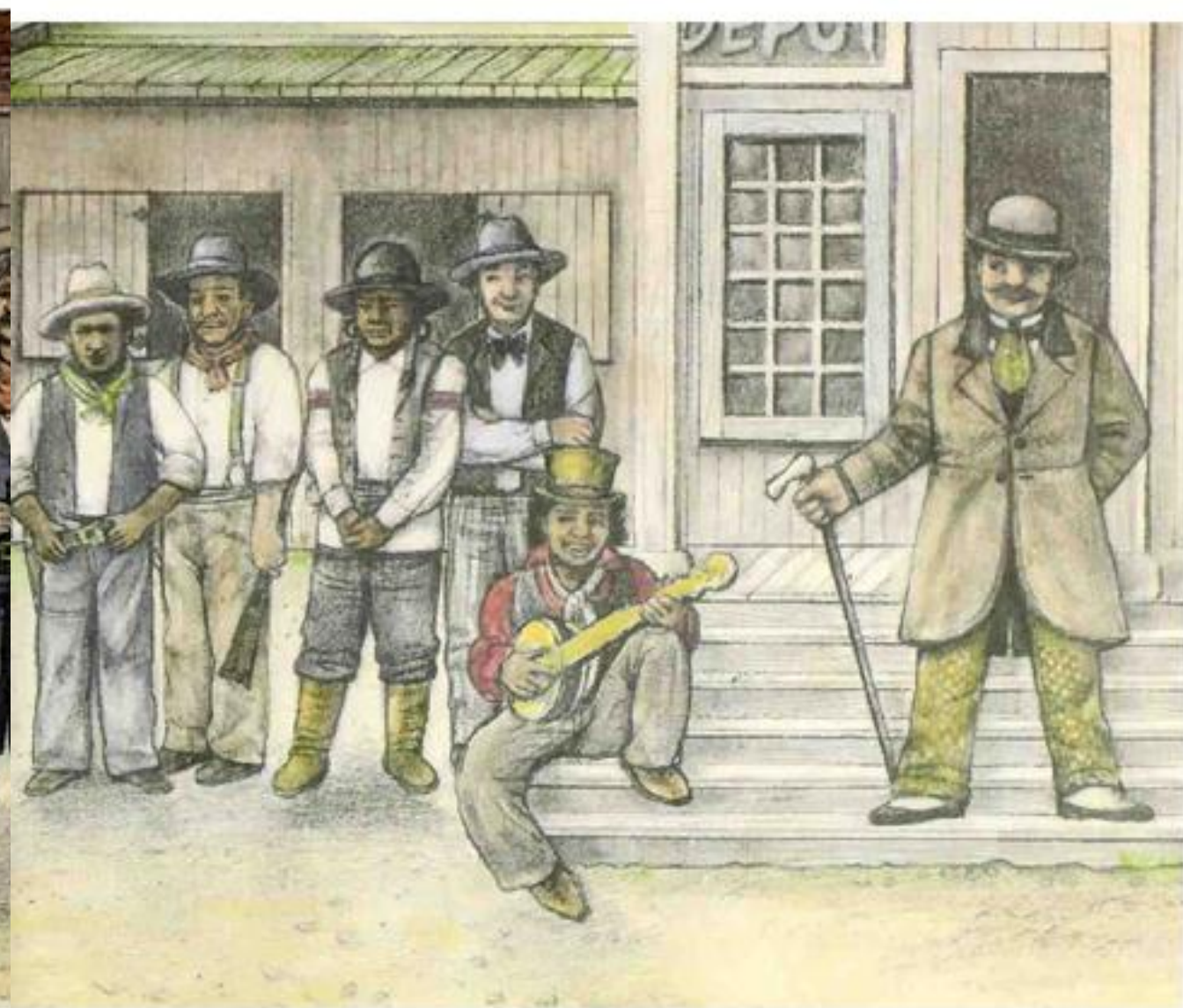
मैरी सीधे उठकर खड़ी हो गई. "मैं ड्राइवर बनना चाहती हूं. मैं भर्ती होने के लिए क्या करूं?"

डिपो मैनेजर ने मैरी को बड़े ध्यान से देखा, "मैडम, क्या आप घोड़ों की सवारी करती हैं?" उसने पूछा.

"मैं छह घोड़ों की टीम को चला सकती हूँ, किसी से भी बेहतर!" मैरी ने कहा.

"अगर यह सच है, तो आपको काम मिल जाएगा. लेकिन पहले आपको उन घोड़ों से जोतना होगा," मैनेजर ने अस्तबल की ओर इशारा किया जहाँ घोड़े बंधे थे.

ठीक है. इससे पहले आप "गिडी-अप" कहते, मैरी ने उन घोड़ों को आपस में बांध दिया था! उसके कोड़े की एक मार के साथ, वे घोड़े हवा में उड़ने लगा. "आगे बढ़ो!" मैरी चिल्लाई.
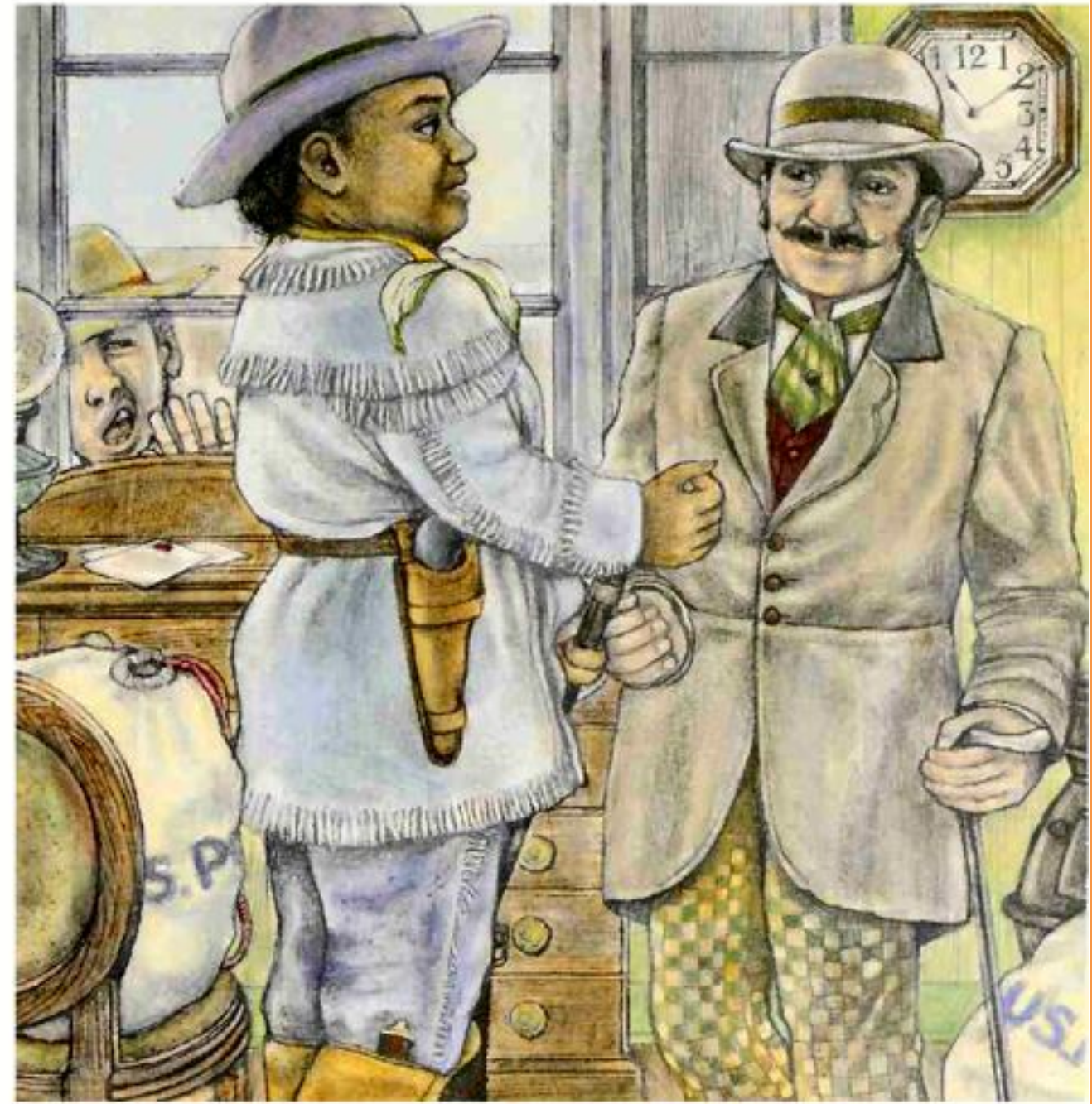
जब तक मैरी घोड़ों को रोकती, तब तक डिपो मैनेजर ने अपना मन बना लिया था. उसने मैरी को मौके पर ही काम पर रख लिया. और इस तरह मैरी फील्ड्स अमरीकी डाक ले जाने वाली पहली अश्वेत महिला ड्राइवर बनीं.
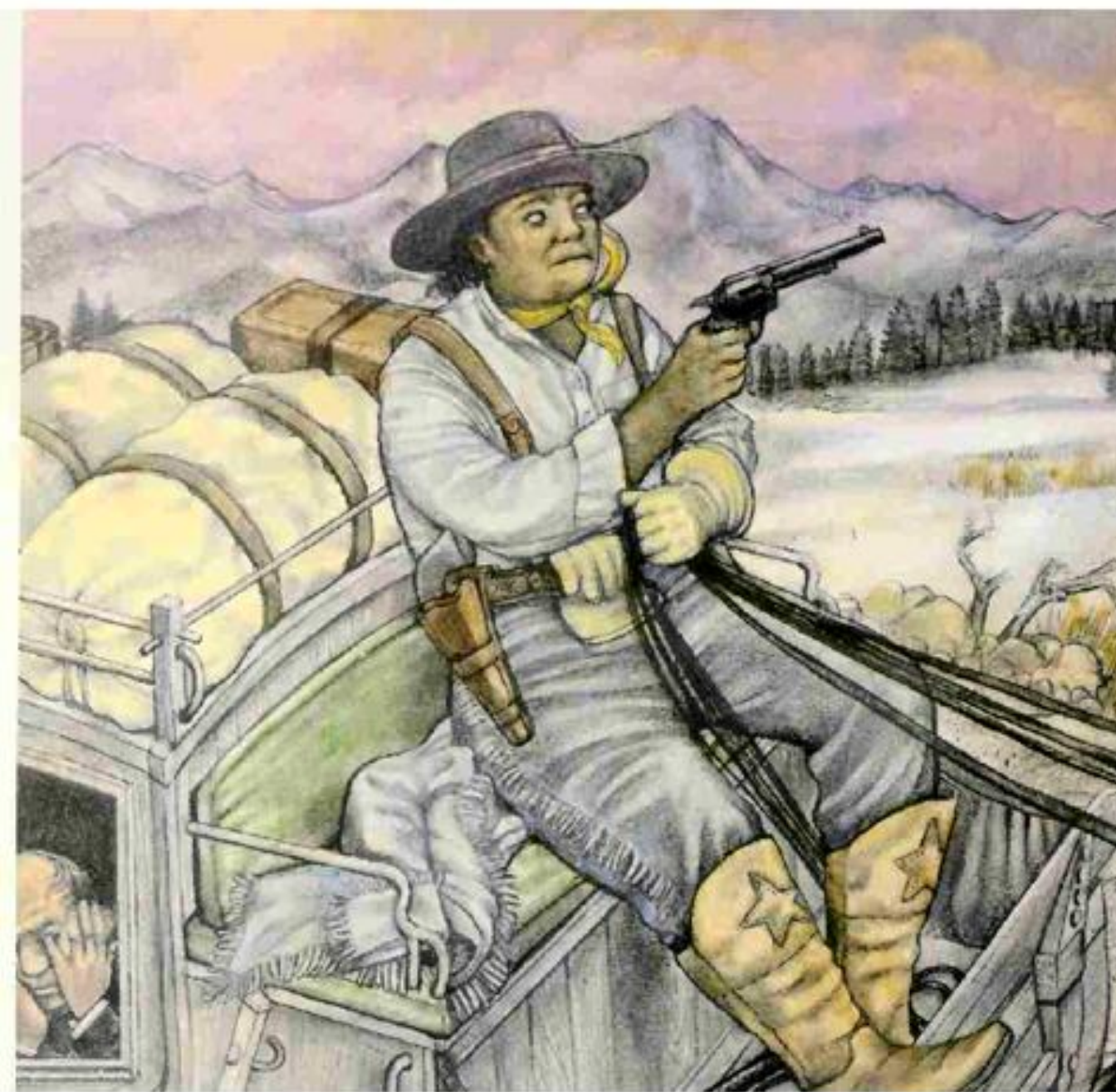
मेल डिलीवर का काम आसान नहीं था. मैरी की एक से अधिक बार डाकुओं से मुठभेड़ हुई. लेकिन मैरी को समय पर डाक पहुंचाने से कोई नहीं रोक पाया. यदि कोई डाकू बहुत करीब आता, तो मैरी एक हाथ से लगाम लगा पकड़ती, और दूसरे हाथ में सिक्स-शूटर पिस्तौल को पकड़कर पूरी गति से चलते हुए गोलियां बरसाते हुए आगे बढ़ती. वो जल्द ही "स्टेजकोच मैरी फील्ड्स" के नाम से जानी जाने लगीं.
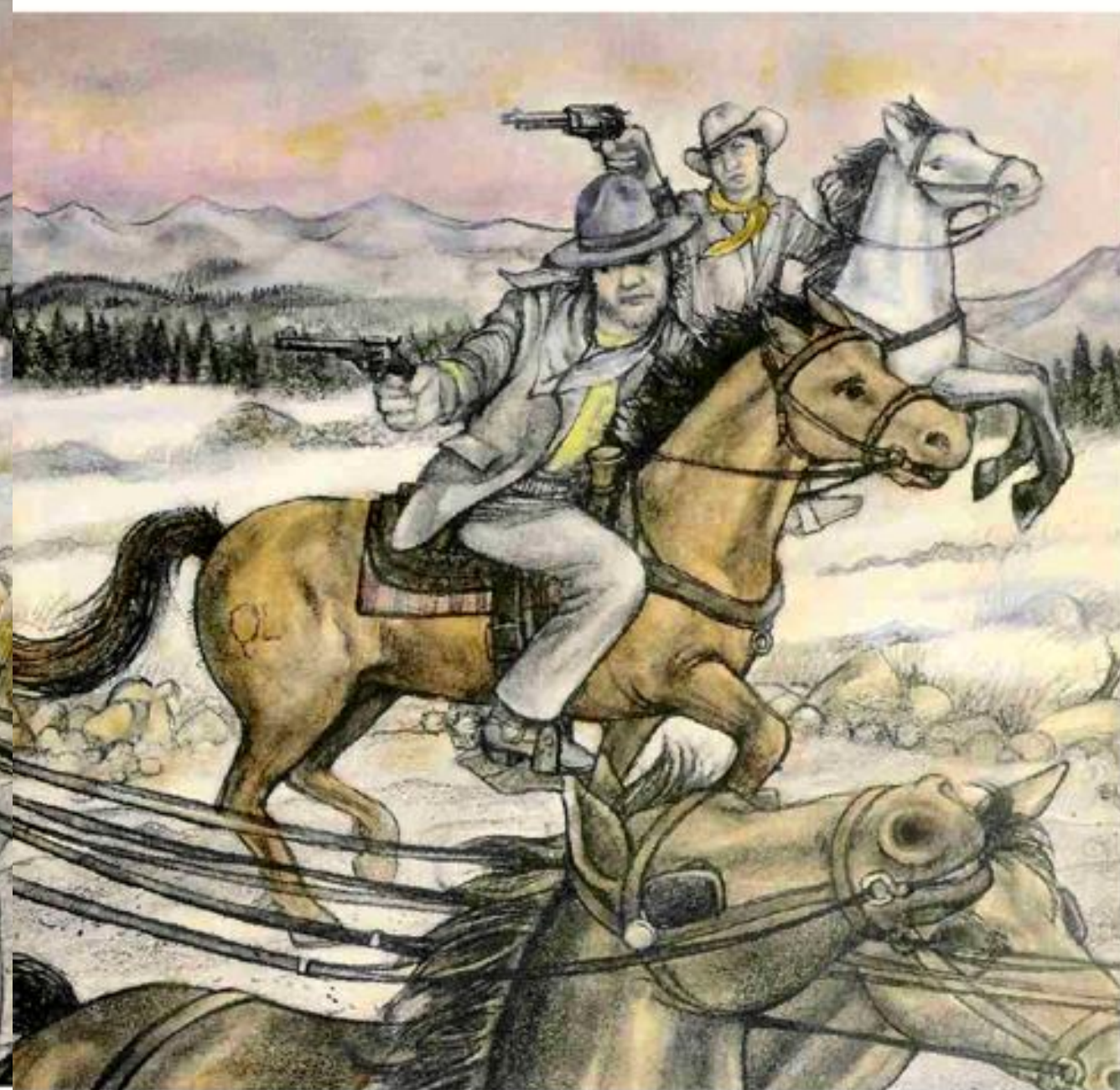
एक बार, मोंटाना की खराब सर्दियों में बहुत बर्फ पड़ी और उसके घोड़े आगे नहीं बढ़ पाए. फिर मैरी ने अपनी पीठ पर डाक के बोरे लोड किए. उसने हाथों में अपनी राइफल पकड़ी, और डिपो तक दस मील चलकर पहुंची. और क्या आप इस बात पर यकीन करेंगे, मैरी ने हमेशा डाक समय पर ही पहुंचाई .

एक बार, मैरी परिचित पगडंडियों से होकर मिशन की तरफ वापिस दौड़ रही थी. उसने रास्ते के हर शॉर्टकट को अपनाया. सिस्टर एमॅड्यूस बीमार थीं और उन्हें विशेष देखभाल की ज़रुरत थी. मिशन में खाद्य आपूर्ति की भी कमी थी, इसलिए मैरी ने वैगन को अनाज से लोड किया.

लगभग रात हो चुकी थी. एक पहाड़ी की चोटी से नीचे आते हुए, मैरी को एक सूखा नाला दिखाई नहीं दिया. जैसे ही उनकी गाड़ी टकराई, गरजने जैसी आवाज आई. फिर अनाज के सब बोरे इधर-उधर फ़ैल गए.

मैरी ने फौरन अपने घोड़ों को शांत किया. वो जानती थीं कि जल्द ही अंधेरा छा जाएगा. तेजी से काम करते हुए, उन्होंने लगभग सभी बोरे वैगन में वापस लोड किए. लेकिन अब तक पूरी तरह से रात हो चुकी थी. भेड़िये और कोयोट आसपास गरजने और घुर्राने लगे थे.

मैरी पूरी रात अपनी राइफल के साथ वैगन के बाहर बैठी रहीं. "ज़रा पास आने की हिम्मत करो बदमाशों," वो चिल्लाईं. जब भी भेड़िये बहुत करीब आते तो मैरी अंधेरे में गोलियां चलाकर उन्हें डरातीं और भगातीं.
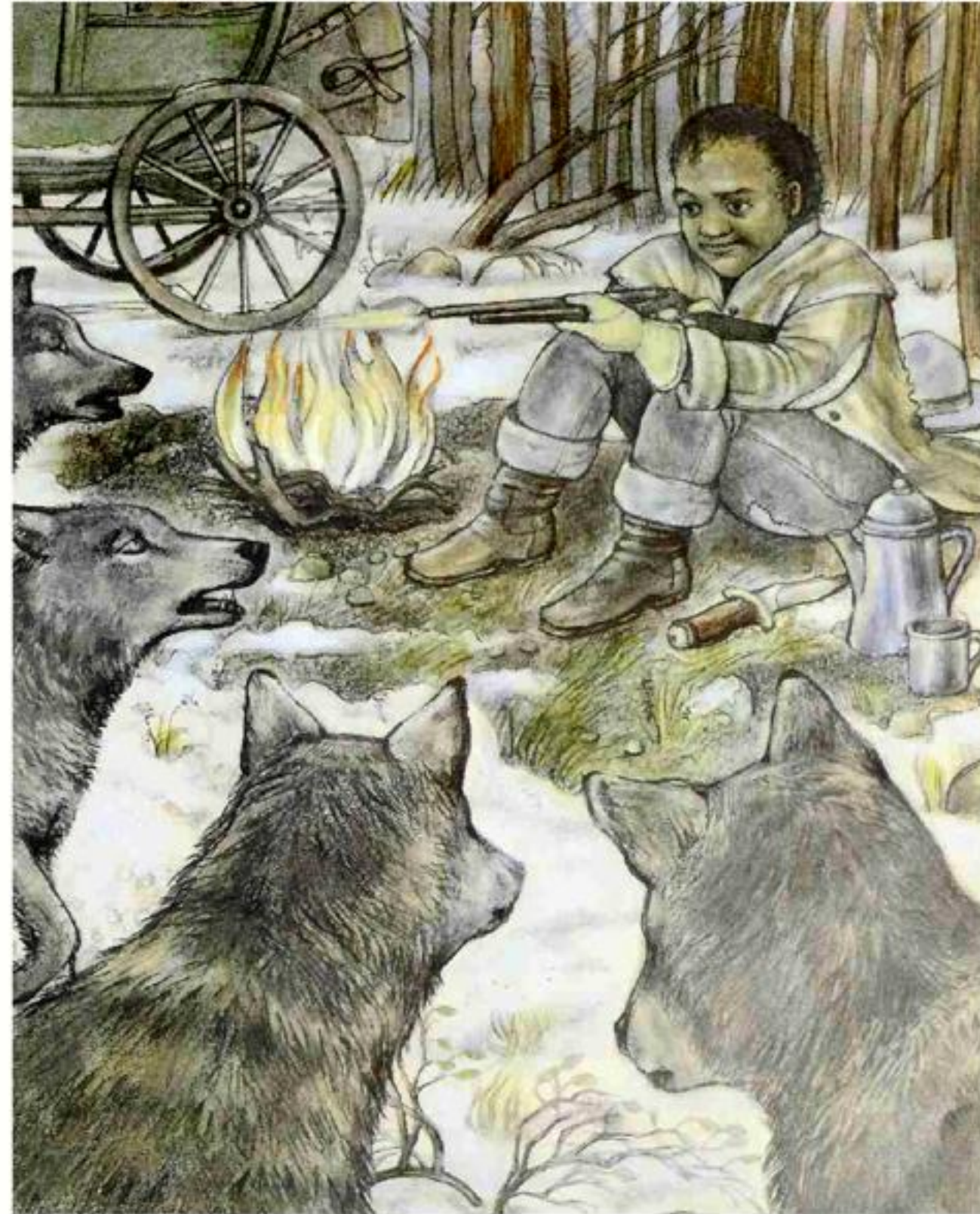
जब दिन निकला तो मैरी फिर मिशन के लिए रवाना हुई. मैरी को देखते ही सिस्टर एमॅड्यूस पहले से बेहतर महसूस करने लगीं. "मुझे बहुत खुशी है कि तुम सुरक्षित वापस आई हो," उन्होंने फुसफुसाते हुए कहा.

मैरी ने उत्तर दिया, "अब आप किसी भी चीज़ की चिंता न करें. मैं अब यहीं पर हूँ."

कुछ ही दिनों के अंदर मैरी की सेवा से सिस्टर एमॅड्यूस की सेहत दुबारा बहाल हो गई.
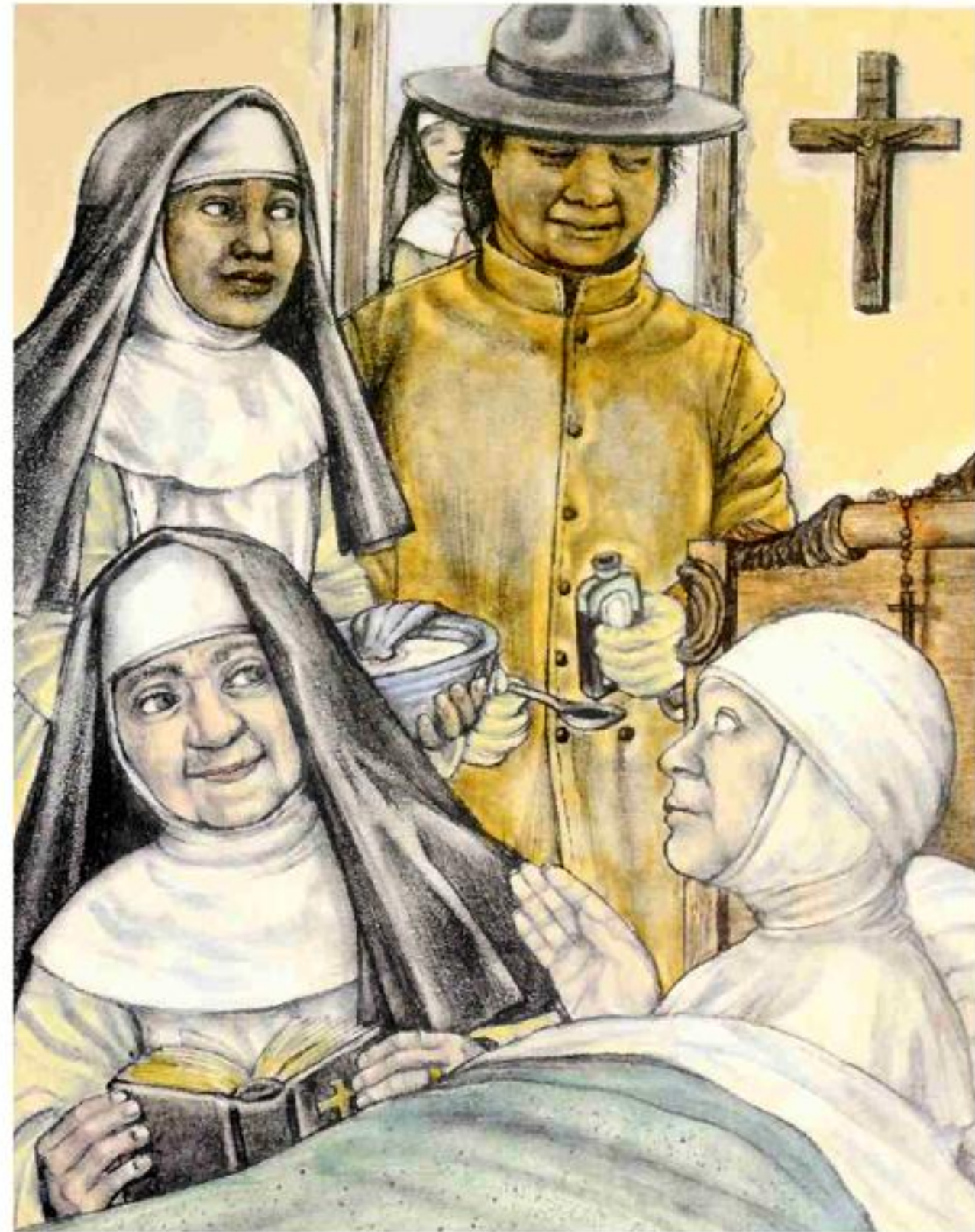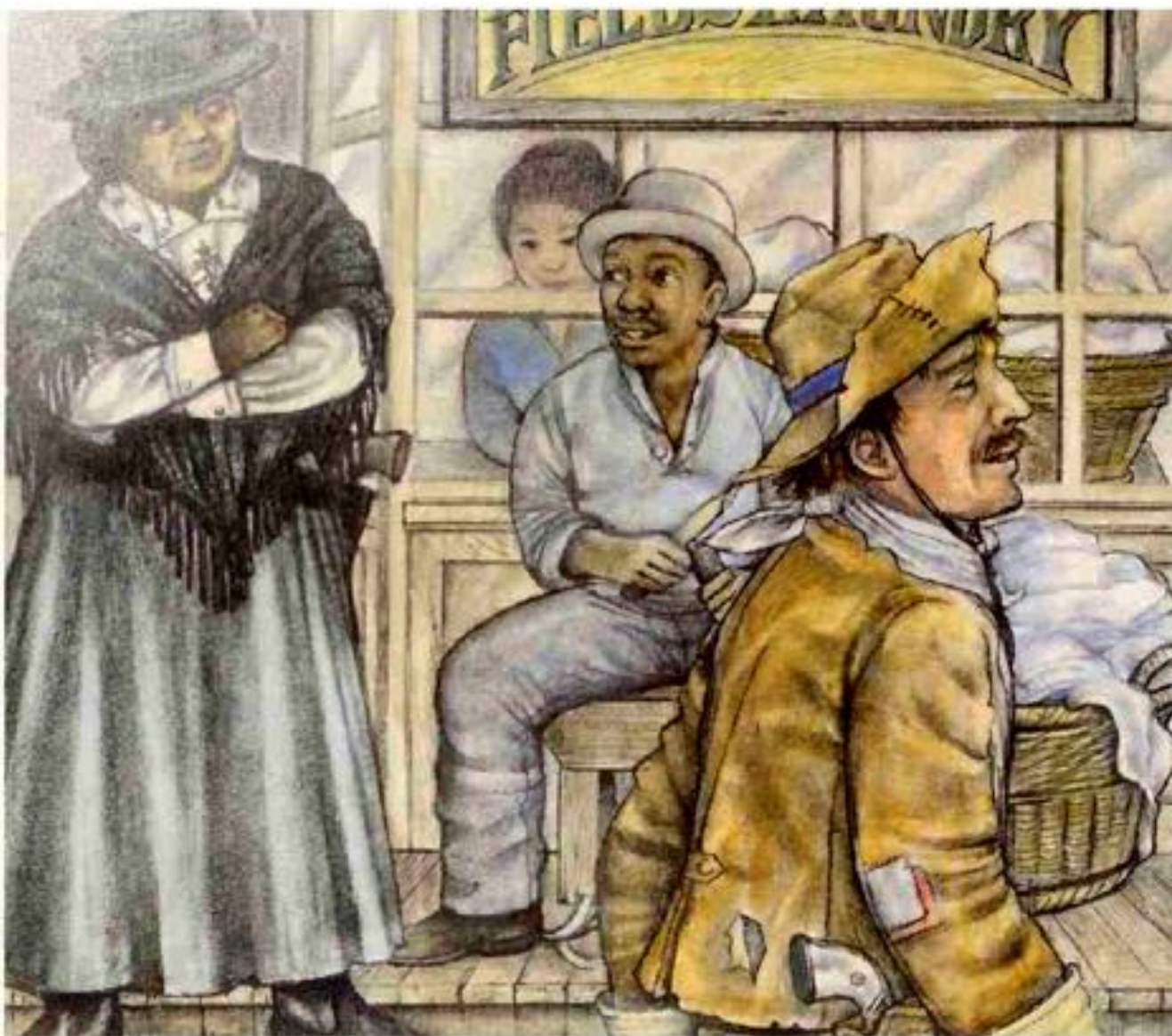
आठ साल तक डाक ढोने के बाद, मैरी थक गईं. सिस्टर एमॅड्यूस की मदद से मैरी ने कास्केड, मोंटाना में कपड़े धोने का व्यवसाय खोला.

एक दोपहर, मैरी ने एक काऊबॉय को देखा, जिस पर उनका पैसा बकाया था, "मिस्टर!" मैरी चिल्लायीं. "तुमने मुझे कपड़े धोने के लिए दिए थे, अब उसका भुगतान करो!"

काऊबॉय ने उनकी तरफ देखा और हंसा. "मैं वो नहीं हूँ जिसकी आपको तलाश है," उसने कहा, और फिर वो जाने के लिए वापिस मुड़ा.

मैरी ने उसे पकड़कर हवा में घुमाया. "तुमको पैसे देने ही पड़ेंगे," उन्होंने कहा. उनके हाथ में उनकी छह-शूटर पिस्तौल थी.

काऊबॉय इतना हैरान हुआ कि उसने बड़ी तेजी से अपनी जेब के सभी पैसे निकालकर मैरी को थमा दिए. मैरी ने पैसों को गिना, फिर उसमें से अपने पैसे लेकर, बाकी को उन्होंने काऊबॉय की जेब में वापिस रखा, और फिर वहां से चली गईं.

अपने अस्सीवें जन्मदिन पर, मैरी फील्ड्स का देहांत हुआ. उन्हें एक पहाड़ी रास्ते की तलहटी में दफनाया गया. वो रास्ता पुराने सेंट पीटर मिशन की ओर जाता था. यह वही सड़क थी जिस पर मैरी ने कई वर्षों तक यात्रा की थी - और उस रास्ते वो मिशन के लिए सामान लाईं थीं. उस सड़क को वो बहुत प्यार करती थीं.

कभी-कभी रात में, जब हवा उस पहाड़ी से टकराती हो, तब अगर आप घोड़ों के खुरों और कोड़े के फटकने की आवाज़ और किसी को ज़ोर से "हटो!" कहते हुए सुनें तो शायद वो स्टेजकोच मैरी फील्ड्स ही होंगी.

समाप्त